

भारत सरकार
पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 5150
04.04.2022 को उत्तर के लिए

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी

5150. श्री के. सुधाकरन :
श्री रघु राम कृष्ण राजू :

क्या पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) वर्ष 2018 से अब तक पीएम 2.5 और पीएम 10 के वार्षिक स्तर का ब्यौरा क्या है और क्या सरकार नीति आयोग न्यू इंडिया @75 रणनीति रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 तक पीएम 2.5 के स्तर को 50 से कम करने के उद्देश्य को पूरा करने की राह पर है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ग) ठोस अपशिष्ट को जलाने के फलस्वरूप मीथेन उत्सर्जन को रोकने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;
- (घ) क्या सरकार जनता से नवोन्मेषी प्रौद्योगिकीय समाधान या प्रभावी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु सुझाव आमंत्रित कर रही है;
- (ङ.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है तथा राज्य-वार कितनी परियोजनाएं शुरू की गई/पूरी की गई हैं और उन पर कितनी धनराशि खर्च की गई है; और
- (च) क्या सरकार को डिजिटल समावेशन के माध्यम से कचरा नहीं फेंकने, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन और पारदर्शिता पर ध्यान केन्द्रित करके इनके संबंध में समाधानों का पता लगाना चाहिए और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री अश्विनी कुमार चौबे)

(क) से (ख) 132 अवमानक वायु गुणवत्ता वाले शहरों (एनएसी) के विविक्त कण के परिवेशी वायु गुणवत्ता आकड़ों के राज्य-वार विश्लेषण से निर्दिष्ट होता है कि वर्ष 2018-2019 की तुलना में वर्ष 2020-2021 में 107 शहरों में पीएम₁₀ सांद्रण में कमी आई है, जबकि 22 शहरों में पीएम₁₀ सांद्रण में वृद्धि देखी गई है और 01 शहर में सांद्रण में कोई बदलाव नहीं देखा गया। वर्ष 2018-2019 से वर्ष 2020-2021 के लिए पीएम₁₀ सांद्रण की शहर-वार रूपरेखा अनुबंध-I में दी गई है। तुलना के लिए वसई विरार और फरीदाबाद में परिवेशी वायु गुणवत्ता आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

सरकार ने देश भर में वायु प्रदूषण के स्तरों को कम करने के लिए राष्ट्रीय स्तर की कार्यनीति के रूप में 2019 में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) शुरू किया है। एनसीएपी के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए एक पोर्टल 'प्राण' भी शुरू किया गया है।

(ग) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के तहत ठोस अपशिष्ट को जलाना निषिद्ध है। पाटन-भूमियों और लैंडफिल स्थलों पर मौजूद नगरपालिका ठोस अपशिष्ट, लैंडफिल गैस (एलएफजी) उत्पन्न करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करता है जो मुख्य रूप से मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड से बना हुआ है। स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के तहत, अगले पांच वर्षों में पुराने अपशिष्ट के ढेरों के उपचार, वैज्ञानिक अपशिष्ट भरण स्थल में सुरक्षित निपटान सहित अपशिष्ट के सभी खंडों का पूर्ण रूप से वैज्ञानिक प्रबंधन के माध्यम से 'अपशिष्ट मुक्त शहरों' की परिकल्पना की गई है।

(घ) से (च) आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयू) ने अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकीय समाधानों को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत मिशन-शहरी (एसबीएम-यू) 2.0 के तहत स्वच्छ प्रौद्योगिकी चुनौती शुरू की है। स्वच्छ प्रौद्योगिकी चुनौती के तहत, देश भर में शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) ने शहर स्तर पर व्यक्तियों और संगठनों से प्रविष्टियां मांगी थीं।

विभिन्न शहरों से 4000 से अधिक प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। सफल आवेदकों द्वारा प्रदान किए गए समाधानों को शहर स्तर, राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। दिशानिर्देशों के अनुसार राज्य स्तर पर विजेता आवेदकों द्वारा प्रदान किए गए समाधान के लिए 75000/-रु. से लेकर 5 लाख रुपए तक के पुरस्कार दिए जाएंगे। राज्यों द्वारा कुल 54 समाधानों को अंतिम रूप दिया/अनुमोदित किया गया है। प्राप्त शीर्ष 10 समाधान स्वच्छता स्टार्ट-अप चैलेंज में भाग लेने के योग्य हो जाएंगे। स्वच्छता स्टार्ट-अप चैलेंज के विजेता समाधानों को एमओएचयू से प्रति चयनित परियोजना के लिए 25 लाख रुपये की वित्तीय सहायता और एक वर्ष की समर्पित इनक्यूबेशन सहायता मिलेगी।

इससे अलग, आंकड़े संचालित निर्णय लेने में सक्षम बनाने और डिजिटल जुड़ाव के माध्यम से पारदर्शिता बनाए रखने के लिए एमओएचयू द्वारा एसबीएम-यू 2.0 के तहत जीआईएस प्लेटफार्म आधारित ऐप के साथ एक स्वच्छता प्रबंधन प्लेटफार्म 'स्वच्छतम' शुरू किया गया था।

वर्ष 2018-2019 से 2020-2021 पीएम₁₀ - सांद्रण में कमी (107 शहर) दर्शा रहे शहर

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	शहर	10 की औसत सांद्रण (वित्तीय वर्ष) ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)		
			2018-2019	2019-2020	2020-2021
1.	आंध्र प्रदेश	अनंतपुर	68	60	58
2.	आंध्र प्रदेश	चित्तूर	63	51	41
3.	आंध्र प्रदेश	एलुरु	68	64	58
4.	आंध्र प्रदेश	कडपा	61	48	50
5.	आंध्र प्रदेश	कुरुनूल	64	56	52
6.	आंध्र प्रदेश	नेल्लोर	64	67	56
7.	आंध्र प्रदेश	ऑंगोल	64	59	49
8.	आंध्र प्रदेश	राजमहेन्द्रवरम	77	61	69
9.	आंध्र प्रदेश	श्रीकाकुलम	71	66	66
10.	आंध्र प्रदेश	विशाखापत्तनम	108	68	63
11.	आंध्र प्रदेश	विजयनगरम	66	57	56
12.	असम	नगांव	97	92	90
13.	असम	नलबाड़ी	91	75	57
14.	असम	सिलचर	48	45	43
15.	असम	शिवसागरी	68	55	48
16.	बिहार	गया	82	76	71
17.	बिहार	पटना	211	170	143
18.	चंडीगढ़	चंडीगढ़	98	92	90
19.	छत्तीसगढ़	दुर्ग भिलाईनगर	78	75	56
20.	छत्तीसगढ़	कोरबा	61	54	46
21.	छत्तीसगढ़	रायपुर	68	63	55
22.	दिल्ली	दिल्ली	226	192	193
23.	गुजरात	अहमदाबाद	233	116	120
24.	गुजरात	राजकोट	182	113	94
25.	गुजरात	सूरत	175	109	93
26.	गुजरात	वडोदरा	199	108	95
27.	हिमाचल प्रदेश	बद्दी	179	133	123
28.	हिमाचल प्रदेश	काला अंबो	102	95	64
29.	हिमाचल प्रदेश	पांवटा साहिब	86	98	78
30.	हिमाचल प्रदेश	परवाणू	61	60	44
31.	हिमाचल प्रदेश	सुंदर नगर	82	69	63
32.	हरियाणा	फरीदाबाद	-	-	229
33.	झारखंड	धनबाद	252	211	198
34.	झारखंड	जमशेदपुर	121	138	96
35.	झारखंड	रांची	116	108	105
36.	कर्नाटक	बैंगलुरु	92	73	62
37.	कर्नाटक	हुबली, धारवाड़	85	78	69

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	शहर	10 की औसत सांद्रण (वित्तीय वर्ष) ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)		
			2018-2019	2019-2020	2020-2021
38.	मध्य प्रदेश	भोपाल	134	141	114
39.	मध्य प्रदेश	देवास	107	91	93
40.	मध्य प्रदेश	ग्वालियर	133	136	125
41.	मध्य प्रदेश	सागर	75	71	64
42.	मध्य प्रदेश	उज्जैन	113	90	104
43.	महाराष्ट्र	अकोला	71	66	54
44.	महाराष्ट्र	अमरावती	106	89	58
45.	महाराष्ट्र	औरंगाबाद	77	76	65
46.	महाराष्ट्र	बदलापुर	148	88	67
47.	महाराष्ट्र	चंद्रपुर	107	93	100
48.	महाराष्ट्र	ग्रेटर मुंबई	132	106	98
49.	महाराष्ट्र	जलगांव	70	57	53
50.	महाराष्ट्र	जलना	101	95	86
51.	महाराष्ट्र	कोल्हापुर	89	95	83
52.	महाराष्ट्र	लातूर	90	84	54
53.	महाराष्ट्र	नागपुर	93	80	68
54.	महाराष्ट्र	नासिक	73	57	51
55.	महाराष्ट्र	नवी मुंबई	80	54	52
56.	महाराष्ट्र	पुणे	103	81	69
57.	महाराष्ट्र	सांगली	80	70	71
58.	महाराष्ट्र	थाइन	118	79	105
59.	महाराष्ट्र	उल्हासनगर	131	83	66
60.	महाराष्ट्र	वसई विरार	-	99	-
61.	मेघालय	बिरनिहाट	155	97	127
62.	नगालैंड	दीमापुर	124	84	85
63.	नगालैंड	कोहिमा	103	81	84
64.	ओडिशा	अंगुल	101	95	88
65.	ओडिशा	बालासोर	86	86	78
66.	ओडिशा	भुवनेश्वर	100	103	78
67.	ओडिशा	कटक	116	104	86
68.	ओडिशा	कलिंग नगर	120	113	104
69.	ओडिशा	राउरकेला	118	112	96
70.	ओडिशा	तालचेर	113	122	98
71.	पंजाब	अमृतसर	124	109	113
72.	पंजाब	डेरा बाबा नानक	84	68	66
73.	पंजाब	खन्ना	104	113	101
74.	राजस्थान	अलवाड़	176	126	110
75.	राजस्थान	जयपुर	144	124	112
76.	राजस्थान	जोधपुर	218	167	155
77.	राजस्थान	कोटा	144	102	100

क्र.सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र	शहर	10 की औसत सांद्रण (वित्तीय वर्ष) ($\mu\text{g}/\text{m}^3$)		
			2018-2019	2019-2020	2020-2021
78.	राजस्थान	उदयपुर	141	136	109
79.	तमिलनाडु	चेन्नई	79	60	60
80.	तमिलनाडु	मदुरै	85	66	57
81.	तमिलनाडु	त्रिची	109	58	40
82.	तमिलनाडु	तूतीकोरिन	98	84	84
83.	तेलंगाना	हैदराबाद	96	86	88
84.	तेलंगाना	पटेनचेरु	81	87	77
85.	तेलंगाना	संगारेड्डी	82	87	77
86.	उत्तर प्रदेश	आगरा	196	163	188
87.	उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद	225	219	184
88.	उत्तर प्रदेश	अनपरा	176	169	142
89.	उत्तर प्रदेश	बरेली	221	185	193
90.	उत्तर प्रदेश	फिरोजाबाद	211	213	186
91.	उत्तर प्रदेश	गजरौला	228	217	168
92.	उत्तर प्रदेश	गाज़ियाबाद	256	218	218
93.	उत्तर प्रदेश	गोरखपुर	284	278	168
94.	उत्तर प्रदेश	कानपुर	217	200	169
95.	उत्तर प्रदेश	खुर्जा	202	226	194
96.	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	210	216	209
97.	उत्तर प्रदेश	मुरादाबाद	218	243	206
98.	उत्तर प्रदेश	नोएडा	252	213	197
99.	उत्तर प्रदेश	रायबरेली	140	161	98
100.	उत्तर प्रदेश	वाराणसी	211	180	168
101.	उत्तराखंड	देहरादून	192	166	144
102.	उत्तराखंड	ऋषिकेश	133	136	77
103.	पश्चिम बंगाल	आसनसोल	123	124	114
104.	पश्चिम बंगाल	बैरकपुर	107	108	75
105.	पश्चिम बंगाल	दुर्गापुर	144	125	103
106.	पश्चिम बंगाल	हल्दिया	95	69	93
107.	पश्चिम बंगाल	हावड़ा	145	144	117
108.	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	128	101	99
109.	पश्चिम बंगाल	रानी गंज	161	177	107
